ISSN No-2031-5063 Vol.1,Issue.VII/Jan 2012pp.1-4

Research Paper

# *वैश्वीकरण का अव्हान और महिला सशक्तीकरण*

***डॉ. अशोक चव्हाण वाणीज्य विभाग***
कै रमेश वरपुडकर महाविद्यालय सोनपेठ जिल्हा परभणी
प्रा. एस. व्ही. जाधव, वाणिज्य विभाग
ज्ञानोपासक महाविद्यालय परभणी

***प्रस्तावना :—***

वास्तविक जीवनमे संपूर्ण राश्ट्र को आकार महिलाअेही देती है वह मकान संभालती है, परिवारकी चिंता करती है, परिवारके चलाने के लिऐ वो अपने शक्तीनुसार बचत भी करती है, महिलाही शिक्षक होकर बच्चे के उपर संस्कार करती है, र्दुभाग्य से ये ही बाब महिलाओ का श्रेश्ठतव कम करने मे सहाय्यभूत हो गयी है,हजारो बरसोसे चूला और बच्चे इनेमे महिलाओ का अधिकतम जीवन व्यतित हो गया है उनके अंदर जो काटकसर,व्यावहारीक दृश्टीकोण,जीवन जीने की कला सचोटी ये सभ गुण दिर्घकाल दुर्लक्षित रह गये है, जीवनके प्रत्येक क्षण और मंजिलपर जैसे बचपन,शिक्षा,व्यवसाय,शादी सामाजिक जीवन इ क्षेत्र मे महिलाओ को दुययम स्थान रहा है

लेकीन राश्ट्रीय उत्पन्न बढानेवाला महत्वपूर्ण घटक महिला है ये वास्वत है यह बाब दुर्लक्षित रह गयी है, लोकसंख्यामे आधा हिस्सा संख्या महिालओ का है, लेकीन सामाजिक और सांस्कृतिक भेद कारण महिलोओ को अपना उच्च स्थान गमाना पडा. वास्वतमे अधिकतम मेहनत करनेवाली जीवनमे श्रध्दा रखनेवाली,निर्भय और व्यवस्थापनमे कुशल महिला पुरतन कालसे एक शक्ती के स्वरू ामे विविध माध्यमसे सामने आयी है

महाराश्ट्र राज्य यहा आधुनिक राज्य समजा जाता है महिला सशक्तीकरणको महत्वपूर्ण स्थान देकर महिला बचत गट के माध्यमसे सशक्तीकरणकी क्रिया को बल दे रहा है, महाराश्ट्र राज्य के सभी जिल्ओ मेबचत गट कि स्थापना बांगला देश कि धर्ती पर कि गयी है बचत गट के माध्यमसे समाजकि अधिकतम महिला आत्मसन्मान कि ओर जा रही है महिला सशक्तीकरणमे आर्थिक निर्भरता महत्वपूर्ण है महिलाओका सामुदायिक शक्तीका अविश्कार महिला बचत गट है महिलाओ मे स्थित आर्थिक शक्ती ग्रामीण भागमे खेडो मे बिखर गयी है इसलिऐ उनका व्यापक स्वरूप दिखाई देता नही है राज्यमे 2.5 लाख बचत गट आपने विविध कार्य के माध्यमसे महिला सशक्तीकरण कि ओर तेजीसे बढ रहे है यह आनंददायक और प्रेरणादायक बाब है.

वैश्वीकरणसे भारतजैसे विकसनशील देशमे उद्योगक्षेत्र मे और उत्पादन के विविध क्षेत्र मे रोजगारकि अनेकानेक संधी निर्माण हुअी है, भारत मे उद्योग चलाने और बढाने के लिऐ वित्त पुरवठा अधिकतम नही है कम है वित्त के उपर बढे दरोसे व्याज देने कि एक समस्या है दुसरी बाजूमे बांगला देशमे किमयागार डॉ युनूस महंमद युनूस इनकी सहायता से और बांगला देश कि ग्रामीण बॅकने समाजकि निम्नस्तरीय आम आदमी को और विशेश रूपसे महिलाओको सशक्तीकरणमे सक्रिय भूमिका निभा रही है समाज कि बहोत से महिला उद्योजक बनकर सामने आ रही है यह क्षमता ग्रामीण बॅक और बचत गटोने महिलाओ मे निर्माण कि है. और गरीबसे गरीब आदमीओ को भी पत होती है यह सुक्ष्म वित्त और बचत गटने सिध्द किया है. समाजमे जो दारिद्रयता फैली है उन्हके निर्मूलनकेलिऐ सुक्ष्म वित्त पुरवठा महत्वपूर्ण भूमिका कर सकता है. सुक्ष्म वित्त पुरवठा का यह महत्व जाणकर यूनो ने 2005 यह साल सुक्ष्म वित्त पुरवठा घोशीत किया है युनो के पूर्व प्रमुख दुनियाको अव्हान किया है कि अमिर और गरीब दोन्हो को आपने सपने साकार करने के लिऐ अपनी कल्पनाओ को मूर्त रूप देने के लिऐ अपने पास जो साधनसामुग्री है उन्हका सुयोग्य इस्तमाल करके शाश्वत और चिरंतन विकास साधनके लिऐ सुक्ष्म वित्त पुरवठा महत्तपूर्ण है समाज मे महिलाओ का आर्थीक निर्भरता प्राप्त करने के लिऐ सुक्ष्म वित्त पुरवठा महत्वपूर्ण है ऐसा प्रतिपादन आय एम एफ के पूर्व सदस्य डॉ राजाराम और जी रामन का मत है

मराठवाडा और विर्दभ यह संतोका साधुओ प्रसिध्द आध्यात्मिक विभूतीओका प्रदेश समज जाता है पहेचान जाता है स्वातत्र संग्राममे मराठवाडा और विर्दभ ने सक्रिय भाग लिया था पराक्रम कि पराकाश्ठा कि थी लेकिन उसके बदले जो विकास स्वातंत्रोत्तर कालमे होना चाहीअे था वो हुआ न सका अपेक्षित विकास हुआ नही विकास कि विशमता बढ गयी है निर्सग के उपर यह प्रदेश है और खेती यह मुख्य व्यवसाय इनमे रहनेवाले लोगोका है विकास कि योजना इन प्रदेशमे अच्छी तरहसे अमंलबजावणी नही होती इसलिऐ मराठवाडा और विर्दभ मे दाद्रिदयता बेरोजगारी विशमता यह समस्या निर्माण हो गयी है

महिला सशक्तीकरण व्याख्या एंवम सक्लपना

महिला सशक्तीकरण कि व्याप्ती बढ गयी है लॉग वे यह तज्ञो के मत अनुसार सशक्तीकरणते पाच अवस्था महत्वपूर्ण है महिला कल्याण,माहिती प्राप्त करनेका अधिकार, अपने बुध्दी और मस्तीश्का सुयोग्य वापर,और नियंत्रण का अधिकार

नित्य राव तज्ञ के मतानुसार महिला सशक्तीकरण मात्र भौतिक और सामाजिक सुधारणा नही है तो इनके निर्माण प्रकियोमे महिलाओ का समान अधिकार ,उत्पादक साधनोपर नियंत्रण और उन्होसे उत्पन्न मिलने कि व्यवस्था इनका समावेश सशक्तीकरणमे अनिवार्य है

सी मधू राजे इनके मत के अनुसार महिला सशक्तीकरण यह समाजके आर्थिक दर्जा से निगडीत है यह दर्जा महिला शिक्षण कौशल्य संपादन ज्ञान और माहिती का सही इस्तमालसे सिध्द होता है

***महिला सशक्तीकरण और बचत गट इनका संबध***

महिला सशक्तीकरण और बचत गट इनका संबध नाजुक और निगट है बचत गट के माध्यमसे महिला आर्थिक दृश्टया समर्थ और स्वयंपूर्ण होती है अपनी समस्या महीला नश्ट कर सकती है अपनी आर्थीक अवस्था बदलनेकी ताकद बचत गट मे है बीज भांडवल कि निर्मीती बचत गट के माध्यमसे बढी तेजसे होता है मराठवाडा और विर्दभ दारिद्रयता कि समस्या और बेरोजगार कि समस्या बढी गंभीर रूप मे स्थित है इनकी व्रिवता कम करने के लिऐ केद्र शासनने 1999 सुवर्ण जंयती ग्राम स्वंयरोजगार योजना शुरू कि है यह योजना के माध्यमसे बचत गटो को वित्त पुरवठा किया जाता है और बचत गट के माध्यमसे विविध रोजगार उद्योग व्यवसाय शुरू करके बेकारी नश्ट करनेका प्रयास हो रहा है बचत गट बच्चे का

पालनपोशण करनेके लिऐ शशूगृह चलाते है,भोजालय,हस्तकला,शिवणकला खेती मे उत्पादन होता है उन्हके उपर प्रकिया करनेका उद्योग कर रहे है यह सभी उद्योग व्यवसाय के कारण महिलाओ को घरमे रोजगार मिलता है और स्वावलंबन कि ओर महिला तेजसे बढ सकती है, सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था भी महिलाओ को प्रशिक्षण देणे मे मदत कर रही है सुवर्णजयंती ग्रम स्वयरोजगार योजना,सुवर्ण जयंती शहरी रोजगारयोजना ,सर्वसाधारण अर्थसहाय्य योजना विपनण योजना खादी ग्रामउद्योग, इदिरा महिला योजना राश्ट्रीय महिला कोश स्टेट बॅक के अनेक योजना  महिला बचत गटोको सहायता देने मे आगे है इनके कारण महिला सशक्तीकरणको गती आ गयी है

महिला बचत गट मे जादा से जादा सभासद 20 रहते है समित सभासद के वजहसे व्यवस्थापन सुलभ हो जाता है बचत गटोको वित्त पुरवठा के बावजूत विविध सेवा का पुरवठा भी बचत गट के माध्यमसे होता है विदर्भ और मराठवाडा के बचत गट इनके सरस है हरमहिनेमे बैठक का आयोजन किया जाता है. अनुपस्थीत सदस्यओ को दंड भी दिया जाता है गुणवत्तका बारेमे कोई भी तडजोड नही किया जाता है विविध वस्तू और सेवा कि निर्मीती कि जाती है इसलिऐ वैश्वीकरणमे भी बचत गट अपना अस्तित्व टिक पाया है

निचे दिये हुअे तालीका और कोश्टक के द्वारे मराठवाडा यह प्रदेश मे बचत गट को कैसा वित्तपुरवठा होता है और बचत गट कि संख्या दिखायी जाती है

निचे दिये हुअे तालीका और कोश्टक के द्वारे पुणे औरंगाबाद और मराठवाडा यह प्रदेश मे बचत गट को कैसा वित्तपुरवठा होता है और बचत गट कि संख्या दिखायी जाती है

है 2002 ते 2007

| विभाग | 02 | 03 | 03 | 04 | 04 | 05 | 05 | 06 | 06 | 07 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पुणे | संख्या | कर्जे | संख्या | कर्जे | संख्या | कर्जे | संख्या | कर्जे | संख्या | कर्जे |
| पुणे | 222 | 11.80 | 675 | 39.83 | 2115 | 76.76 | 58.17 | 146.28 | 14105 | 3622.03 |
| सातारा | 116 | 5.97 | 147 | 7.95 | 640 | 22.11 | 3311 | 66.42 | 4401 | 539.01 |
| सांगली | 128 | 2.53 | 190 | 14.34 | 873 | 24.65 | 2268 | 56.30 | 5181 | 536.17 |
| कोल्हापूर | 346 | 8.19 | 546 | 15.84 | 2070 | 40.56 | 5277 | 79.27 | 5842 | 940.45 |
| सोलापूर | 305 | 12.67 | 149 | 20.68 | 867 | 44.34 | 2434 | 92.17 | 4300 | 901.08 |
| एकुण | 1119 | 41..16 | 1707 | 98.64 | 6575 | 208. 42 | 19157 | 440.44 | 33836 | 6538.74 |
| टक्केवार | 13.25 | 14.98 | 16.30 | 22.35 | 20.16 | 18.96 | 31.80 | 24.80 | 35.84 | 31.00 |
| औबाद | 499 | 20.05 | 350 | 18.18 | 538 | 37.11 | 1223 | 56.46 | 1435 | 333.29 |
| जालना | 115 | 3.43 | 197 | 7.74 | 411 | 25.37 | 850 | 41.58 | 1188 | 312.67 |
| परभणी | 29 | 0.41 | 36 | 0.86 | 292 | 8.34 | 657 | 31.52 | 1414 | 482.51 |
| बीड | 148 | .4.15 | 163 | 5.16 | 926 | 29.23 | 1587 | 51.89 | 2147 | 527.96 |
| उस्मानाबाद | 208 | 1.71 | 68 | 10.18 | 909 | 20.04 | 2071 | 48.58 | 2192 | 534.00 |
| लातूर | 29 | 0.52 | 186 | 2.59 | 1190 | 35. 558 | 2096 | 49.48 | 26.86 | 727.48 |
| नांदेड | 528 | 9.60 | 615 | 15.30 | 12090 | 39.84 | 21.57 | 45.17 | 2056 | 532.05 |
| हिगोली | 07 | 0.28 | 36 | 0.62 | 189 | 7.01 | 291 | 9.03 | 663 | 203.03 |
| एकुण | 1536 | 40.15 | 1651 | 60.63 | 5745 | 202. 52 | 10907 | 33.71 | 137.81 | 2653.00 |
| टक्केवार | 18.50 | 1562 | 15.76 | 13.90 | 17.61 | 18.59 | 18.18 | 18.85 | 14.60 | 12060 |

बचत गट के माध्यसे उस्मानाबाद जिल्हो मे तालाब का निर्माण किया है परभणी के केरवाडी गावके महिला बचत गटोने स्कूल और पाठशाहा दत्तक लिया है बचत गट के माध्यमसे दुध भव्य 7000 लि चिलींग प्लॅट का निर्माण किया है जलगाव के बहादूरपूर गावकी निलीमा मिश्राजीने तो बचत गट के माध्यमसे गाव का पूरा परिवर्तन किया है गाव को स्वयपूर्णता कि ओर ले चली इसका कार्य का महत्व जाणकर उन्हेबढे सन्मान के साथ रॅमन मॅगेसस पुरस्कार प्रदान किया है

भारत का सर्वागिण विकास समृध्दी कि ओर ले जाने कि क्षमता और महासत्ताक भारत बनानेके लिऐ उद्योजकता यह गुण बडा महत्वपूर्ण है यशस्वी उद्योजक अपने कश्टोमेसे दूरदृश्टीसे निर्माण होता है महिलाओमे ये गुण परिपूर्ण रूपसे भरे है बचत गटो के माध्यमसे विविध व्यवसाय करके उद्योजकता गुणोको चालना मिल गयी है देश की समृध्दी और सधनता लोगोमे छुपे हुअे उद्योजकता गुणो मे रहती है उद्योजकता का प्रमाण जितना जादा उतना देश अमिर सधन समज जाता है

विदर्भ और मराठवाडा अविकसीत और मागास रहने के अनेकविधी सामाजिक और राजनैतिक कारण है लेकीन राजनैतिक लोग जैसे खासदार आमदार मंत्री इनके स्वार्थी सत्तालोलूप धारणा धोरण विचार और जागृत लोकमतका अभाव इन दोने के कारण विदर्भ मराठवाडा अपेक्षित विकास नही हो पाया है कार्यक्षम और निपक्षपाती सरकारको चुनने से ही विकास हो सकता है राज्यमे बचत गट कि प्रगती देखकर राजकारणी लोगोकि पाव कि निचे कि मिठठी निकल जा रही है ऐसे स्थितीमे बचत गटोमे विशमता का बीज बी बो सकते है इसलिऐ सावधानता चाहीऐ बचत गटोने सावधानता कि भूमिका स्विकारनी चाहीऐ

भारतके ग्रामीण भागोमे आजही पायाभूत सेवा सुविधा का अभाव है ग्लोबोलायझेशनका प्रेशर बढ रहा है मन और मनुश्य कोसो दूर जा रहा है अनेकविधी ताण और तणावग्रस्तता बढ रही है आदमी आदमी के पास से दूर जा रहा है और दुनिया नजदिक आ गयी है मनोकायीक विकार और रोग निर्माण हो रहे है स्वदेशी,सहकार,ग्रामीण उद्योग रोजगारवृध्दी आरोग्य सुविधा गतीमान दळणवळणसुविधा इ से विदर्भ और मराठवाडा का विकास हो सकता है लेकीन सहकार्य कि भावना मुलभूत है सहकार यह तत्व और मुल्य भी है आज ग्रामीण सहकार, महिला सशक्तीकरण कि गती कम दिख रही है लेकीन उनका महत्व कम नही होता दुनियामे कितनी भी दुर्गंधी हो सुंगध का मोल कम नही होता ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल देनेके लिऐ और महिला सशक्तीकरण को गती देने के लिऐ और उन्हके माध्यमसे सब मानव जीवन सुखमय आनदमय करनेके लिऐ अनेक विधी मानवी मूल्यो का आचरण करना पडेगा

## *संदर्भ सूची*

1 माणसाला पत द्या – डॉ महंमद युनूस याची मुलाखत – योजना मासिक डिसेबर 2007

2 महाराश्ट्रातील बचत गटाची सद्यस्थिती – डॉ रफीक मुलाणी

3 महिला सबलीकरण व उच्च शिक्षण – प्रा डॉ विद्या उपाध्ये व प्रा नंदकुमार कदम याचा लेख

4 किमयागार – लोकराज्य मासिक पराग करदीकर यांनी घेतलेली डॉ महमद युनस याची मुलाखत

5 परभणी जिल्हा विकासाची वाटचाल– लोकशााही विकास आघाडीला चार वर्श यशस्वीपणे पूर्ण झाल्यामुळे परभणी जिल्हा माहिती कार्यालयाने प्रकाशित केलेला ग्रथ 1 नोव्हे 2008

6 वित्तीय संस्था आणि बाजारपेठा – विनायक श्रीधर देशपाडे

7 बॅकिग –मुकूद महाजन

8 ग्रामीण महिला सशक्तीकरण– कुरूक्षेत्र मासिक मार्च 2008

9 महिला सशक्तीकरण– कमलेश गुप्ता जयपूर

10 मराठवाडयाचा विकासः स्वप्न आणि वास्तवः डॉ.जे.एम. वा१मारे दै.लोकसत्ता दि.9/7/06

11 मराठवाडा काल आज उद्याः–मा. अशोकराव चव्हाण /गोपीनाथराव मुडे/विलासराव देशमुख दि.12/12/06